यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking

आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation

30 जून, 2020 को समाप्त त्रिमाही हेतु शेयरधारकों को त्रैमासिक सूचना

QUARTERLY COMMUNICATION TO SHAREHOLDERS FOR THE QUARTER ENDED ON JUNE 30, 2020

निवेशक सेवायें प्रभाग, केंद्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई – 400021.
फो : +91 22 2289 6636 / 43 | ई : investorservices@unionbankofindia.com | वेब : www.unionbankofindia.co.in

Investor Services Division, Central Office, Union Bank Bhavan, 239, Vidhan Bhavan Marg, Nariman Point, Mumbai - 400021.
T : +91 22 2289 6636 / 43 | E : investorservices@unionbankofindia.com | W : www.unionbankofindia.co.in

@unionbankofindia @UnionBankTweets UnionBankInsta YouTube UnionBankofIndiaUtube @unionbankofindia

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation

राजकिरण रै. जी.
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

18 सितंबर, 2020

प्रिय शेयरधारक,

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में हम सभी की ओर से, हम आशा करते हैं कि आप और आपका परिवार सुरक्षित और स्वास्थ्यपूर्ण होगा. हम आपके बैंक में आपकी निरंतर रुचि और समर्थन के लिए धन्यवाद करते हैं.

आपके साथ यह साझा करना मेरे लिए हर्ष और सौभाग्य की बात है कि 1 अप्रैल, 2020 को आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में समामेलित किया गया है. तीनों ही बैंक 300 से अधिक वर्षों के संयुक्त इतिहास, 9500+ शाखाओं की एक अखिल भारतीय उपस्थिति, 13500 से अधिक एटीएम, 75000+ कर्मचारी और ₹ 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संयुक्त व्यवसाय का प्रतिनिधित्व करते हैं. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक, क्रमशः 1919, 1923 और 1906 में स्थापित, के पास भारतीय बैंकिंग उद्योग में एक विरासत है.

समामेलन के बारे में संक्षिप्त जानकारी:

1. **समामेलन नियोजन प्रक्रिया के मूल में एक त्रिस्तरीय दृष्टिकोण था:**
   - परिचालन में निर्बाध निरंतरता सुनिश्चित करना: खाता संख्या में बिना किसी बदलाव के सभी खाते पहले दिन से ही परिचालित थे. ग्राहक को उनकी मौजूदा शाखाओं द्वारा सेवा जारी रखी गई एवं मूल लेनदेन अंतर–संचालित हो गए.
   - हमारे डिलिवरी चैनलों का सहज एकीकरण एवं उत्तम श्रेणी के उत्पादों की प्रदायता: सभी सेवा प्रभारों को पहले दिन से सामंजस्यपूर्ण बना दिया गया था जिसकी पूर्व सूचना सभी ग्राहकों को अधिसूचित कर दी गई थी. सभी उत्पादों एवं सेवाओं का यह सुनिश्चित करने, कि वे ना केवल ''तीनों बैंकों में श्रेष्ठ'' हों बल्कि ''उच्च श्रेणी'' हों, के लिए उनका अध्ययन किया गया, समान उद्योगों के सापेक्ष निर्धारित किया गया और एकीकृत किया गया.
   - पूर्ण ग्राहक संकेंद्रियता: कॉल सेंटर, कस्टमर केयर सेंटर, सोशल मीडिया टीमों सहित सभी मौजूदा ग्राहक सहायता चैनलों को मजबूत किया गया, और एक सार्थक, ग्राहक–संकेंद्रित सूचना सम्प्रेषण अभियान शुरू किया गया. इसके अतिरिक्त, कोविड – 19 के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए, बैंक ने अपने प्रौद्योगिकी साधनों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया तथा ग्राहकों को सुरक्षित रहने और सुरक्षित बैंकिंग करने का अनुरोध किया गया है. भौतिक संपर्क बिंदुओं के जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से परिचलनों में डिजिटल बैंकिंग प्लेटफार्मों यथा ई–बैंकिंग और डिजिटल चैनलों पर अधिक ध्यान दिया गया.
2. **समामेलन सफलतापूर्वक निर्धारित तारीख से प्रभावी:** 1 अप्रैल, 2020 को, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, तत्कालीन आंध्र बैंक और तत्कालीन कॉर्पोरेशन बैंक एक बैंक बन गया. समामेलन के पश्चात, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया बैंकिंग समूह में भारत का पाँचवाँ सबसे बड़ा बैंक है और 9,500 शाखाओं, 13,500 एटीएम, ₹ 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संयुक्त कारोबार एवं 120 मिलियन के ग्राहक आधार के साथ चौथा सबसे बड़ा बैंक है. इसके अतिरिक्त, 6 देशों में कार्यालयों और शाखाओं के साथ बैंक की वैश्विक उपस्थिति भी बढ़ी है.परिणामस्वरूप, जहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था का संबंध है, समामेलन से यूनियन बैंक के ग्राहकों, निवेशकों और शेयरधारकों के साथ–साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है.
3. **ग्राहकों को लाभ:** हमारे ग्राहक हमारे बैंक के विस्तृत आकार और पूंजी आधार से लाभान्वित होंगे और न केवल भारत के चौथे सबसे बड़े बैंकिंग नेटवर्क के सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे, बल्कि ग्राहक संकेंद्रित सेवा के प्रति बैंक की अविश्वसनीय प्रतिबद्धता बनी रहेगी. पूर्व–आंध्रा और पूर्व–कॉर्पोरेशन बैंक के ग्राहक अब कॉर्पोरेट और एमएसएमई अग्रिमों में यूनियन बैंक द्वारा दी जाने वाली सुविधा का पूरा लाभ उठा सकते हैं. गोल्ड लोन एवं क्रेडिट कार्ड में ई–आंध्रा बैंक की नई विशेषज्ञता को ग्राहकों के लिए नए उत्पादों के रूप में शामिल और उपलब्ध कराया गया है. इसी प्रकार, ई–कॉर्पोरेशन बैंक की पॉइंट ऑफ स्केल (पीओएस) और नकदी प्रबंधन सेवा (सीएमएस) की विशेषज्ञता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों द्वारा ली जाने वाली है. एक साथ, इसका अर्थ है कि, सभी ग्राहकों को पूरी तरह से नया एवं सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर उत्पादों एवं सेवाओं के डिजिटलीकरण एवं उत्तम श्रेणी की सेवा प्रदान की जाएगी.
4. **निवेशकों एवं शेयरधारकों को लाभ:** समामेलन हमारे निवेशकों एवं शेयरधारकों के लिए अत्यंत सकारात्मक स्थिति है. समामेलन से सशक्त एवं आक्रामक वसूली लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नए सिरे से ज़ोर लगाने से लाभप्रदता में एक महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद है. साथ ही, एक समर्पित नई बिक्री संरचना की अगुवाई में नए बाज़ारों एवं नए उत्पाद संवर्गों में प्रवेश से, बैंक के व्यवसाय विकास और डिजिटलीकरण पर एक तरफा ध्यान केन्द्रित होने से सुशासन मूल्य से गणना के रूप में भारी शेयरधारक मूल्य उत्पन्न होने की उम्मीद है.
5. **भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ:** भारतीय अर्थव्यवस्था को भी समामेलन से लाभ होने की उम्मीद है. हमारा बड़ा पूंजी आधार यह सुनिश्चित करता है कि हम विकासात्मक वित्त में एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं और राष्ट्र निर्माण को गतिविधियों के लिए ऋण प्रदान कर सकते हैं. यूनियन बैंक अब 120 मिलियन ग्राहकों के एक विशाल जमा के आधार पर सर्वश्रेष्ठ सेवा वितरित कर सकता है, जिसमें कई बीएसबीडी और जनधन खाताधारक शामिल हैं जो वित्तीय समावेशन और डिजिटल सक्रियता को बढ़ाते हैं.
6. **नया संगठनात्मक ढांचा तैयार करना:** अप्रैल में सफल समामेलन के पश्चात, यूनियन बैंक ने अपनी चार स्तरीय संगठनात्मक संरचना को संयोजित करने की घोषणा की, जिसमें 11 जून, 2020 को 18 अंचलीय कार्यालय और 125 क्षेत्रीय कार्यालय शामिल है. समामेलित इकाईयों का केंद्रीय कार्यालय (केका) मुंबई में ही स्थित रहेगा. बैंक की अखिल भारतीय उपस्थिति का लाभ उठाने के क्रम में, दक्षिण राज्यों में अपनी पकड़ को मजबूत करने के लिए सभी विशिष्ट स्थानों पर नियंत्रण कार्यालय खोले गए हैं. चंडीगढ़, जयपुर, मंगलोर और विशाखापट्टनम जैसे भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बढ़ाने की रणनीतिक दृष्टि से चार नए अंचलीय कार्यालय खोले गए हैं. दक्षिण भारत में दो नए अंचलीय कार्यालय खोलने से बैंक इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में अपनी उच्च बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत कर सकेगा. हमारी विस्तारित उपस्थिति को और अधिक बढ़ाने के लिए, 125 में से 33 क्षेत्रीय कार्यालय पूरी तरह से नए स्थानों जैसे कि अमृतसर, आनंद, भागलपुर, अनंतपुर, राजमुंदरी, शिमला, अमरावती आदि में स्थित है. नए कार्यालयों न केवल पारंपरिक रूप से सशक्त राज्यों जैसे कि तेलंगाना, आंध्रा प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बैंक के

कमांडिंग बाजार शेयर को मजबूत करने की उम्मीद की जा रही है, बल्कि पूर्वोत्तर के राज्यों में गुवाहाटी, दुर्गापुर आदि जैसे क्षेत्रीय कार्यालयों की उपस्थिति के साथ अखिल भारतीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करने में सक्षम होगा.

7. **संवर्धित व्यवसाय पर फोकस और सहयोग को साकार करना:** संगठन संरचना के साथ, आज बैंक का प्राथमिक फ़ोकस व्यवसाय वृद्धि है और समामेलन से सभी संभावित तालमेल पर पकड़ बनाना है. वर्तमान में महत्वपूर्ण लागत बचत पहलों को संचालित किया जा रहा है जो कि हमारे बड़े पैमाने पर संभव हुआ है. एक दूसरे के नजदीक स्थापित पूर्व बैंक की कई शाखाओं एवं एटीएम में कुछ शाखाओं और अलाभप्रद एटीएम को युक्तिसंगत किए जाने के अवसर हैं. आम विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के नियमित आवर्तन से आय की महत्वपूर्ण बचत की उम्मीद है. साथ ही, हमने बड़े पैमाने पर राजस्व वृद्धि के अवसर भी प्रस्तुत किए हैं. कासा बैलेंस, रैम एडवांस और शुल्क आय में सुधार के लिए समर्पित अभियान भी चल रहे हैं.
8. **मुख्य केंद्रित के रूप में ग्राहक संकेंद्रितता के साथ एक अग्रणी डिजिटल बैंक बनने की आकांक्षाएं:** भविष्य के संबंध में, यूनियन बैंक ने भारत का अग्रणी डिजिटल बैंक बनने के लिए एक साहसिक आकांक्षा स्थापित की है. इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कई महत्वपूर्ण कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं. खुदरा ग्राहक अब व्यक्तिगत ऋण और गृह ऋण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. एमएसएमई ग्राहक चुनिन्दा उत्पादों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं. यूनियन बैंक कृषि उत्पादों सहित विविध रिटेल क्षेत्रों को डिजिटल करने के अधिक अवसरों को भी सक्रियता से आगे बढ़ा रहा है. डिजिटल उधार के साथ ही, यूनियन बैंक सभी उत्कृष्ट सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए अपने मोबाइल बैंकिंग एप एवं नेट बैंकिंग सुविधाओं को निरंतर अपग्रेड कर रहा है. बैंक की कार्य प्रवृत्ति में डिजिटल तरीके से सुदूर कार्य करने को शामिल किया जा रहा है, जिससे नए मानदंड एवं नए डिजिटल–संचालित कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली के द्वारा अत्यधिक उत्पादक एवं डिजिटल कार्य में निपुण जनबल सुनिश्चित किया जा सके. वसूली प्रयासों, लीड जेनरेशन, ग्राहक सेवा डिलीवरी आदि को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल टूल्स और टेक्नोलॉजी का भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाएगा.

   समामेलन के पश्चात, सार्वजानिक क्षेत्रों के बैंकों में यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया सबसे सक्रिय बैंक है. ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा एवं प्रस्तावों सहित समर्पित नेतृत्व और कर्मचारियों की सेवाओं के साथ भारत के अग्रणी डिजिटल बैंक में तब्दील होने की प्रबल महत्वकांक्षा के साथ, यूनियन बैंक अब आने वाले दशक में प्राथमिक रूप से सुदृढ़ कारोबार विकास एवं निवेशक महत्व पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है.

कोविड–19 महामारी का प्रभाव:

कोविड–19 का प्रभाव विभिन्नता एवं विभिन्न प्रदेशों में जोन की श्रेणी अर्थात लाल, नारंगी या हरे या कन्टेनमेंट जोन के आधार पर अलग–अलग रहा है.

सेवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने देशभर में लगाये गए लॉकडाउन के दौरान बैंकों को परिचालन करने की अनुमति प्रदान की. इसके साथ ही, कोविड–19 के संक्रमण को रोकने के लिए, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने बैंकों के लिए अनिवार्य बैंकिंग गतिविधियों को करने के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) प्रस्तुत किया है.

कोविड–19 महामारी के प्रकोप ने बैंकिंग कारोबार के क्रेडिट एवं वसूली क्षेत्र को प्रभावित किया है. हालाँ कि वसूली प्रभावित हुई, परन्तु भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ऋण चुकौती के अधिस्थगन एवं ब्याज के बोझ को कम करने के लिए प्रस्तुत अन्य कदम से ऋण चूक जोखिम में काफी कमी आई है.

नियमित बैंकिंग सेवाओं के अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा प्रतिपादित योजना के अंतर्गत एमएसएमई को ऋण व्यवस्था के साथ ही ग्राहकों को उनके परिचालन को जारी रखने की सुविधा के लिए बैंक आवश्यकता आधारित आपातकालीन ऋण व्यवस्था प्रदान कर रही है. एमएसएमई को यह कथित सुविधा राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) द्वारा पूर्णतः गारंटीकृत है.

हम अपने ग्राहकों को उनके लेनदेन को जारी रखने के लिए हमारे डिजिटल उत्पादों एवं सेवाओं जैसे एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग एवं यू–मोबाइल एप (यूनियन बैंक के मोबाइल बैंकिंग एप) का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं.

हमें आपके बैंक के 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के स्टैंडअलोन एवं समीक्षित गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को साझा करते हुए ख़ुशी हो रही है. उपरोक्त वर्णित वित्तीय परिणाम नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है:

वित्तीय वर्ष 20–21 के तिमाही 1 के वित्तीय परिणाम को देखने के लिए यहाँ क्लिक करें.

उपरोक्त के अलावा, उसी अवधि के दौरान वित्तीय प्रदर्शन एवं आपके बैंक के कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी से संबंधित प्रेस विज्ञप्ति निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है:

वित्तीय वर्ष 20–21 के तिमाही 1 के प्रेस विज्ञप्ति को डाउनलोड करने के लिए यहाँ क्लिक करें

यह बैंक के उन पंजीकृत शेयरधारकों को बैंक के तिमाही प्रदर्शन एवं कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जानकारी के तौर पर भेजी जा रही है जिनकी ई मेल आईडी बैंक के रिकॉर्ड या निक्षेपागार (डिपोजिटरी) सहभागी के साथ दर्ज है, को सूचित किया जा सके.

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,
कृते यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया

राजकिरण रै जी

(राजकिरण रै. जी.)
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO

September 18, 2020

Dear Shareholder,

On behalf of all of us at Union Bank of India, we hope you and your families are safe and in good health, and we thank you for your continued interest and support in your Bank.

It is my pleasure and privilege to share with you that on April 1, 2020, Andhra Bank & Corporation Bank have amalgamated into Union Bank of India. Together, all three banks represent a combined history of more than 300 years, a pan-India presence of 9500+ branches, 13500+ ATMs, 75000+ employees and a combined business of more than ₹ 15 lakh crores. Established in 1919, 1923 and 1906 respectively, Union Bank of India, Andhra Bank and Corporation Bank, each has a storied legacy in the Indian Banking Industry.

Brief about Amalgamation:

1. **At the core of the amalgamation planning process was a three-pronged approach:**
   - Ensure seamless continuity in operations: All accounts were operational from Day 0 with no change to account numbers. Customer continues to be served by their existing branches and basic transactions became interoperable.
   - Smooth integration of our delivery channels & Best in Class Product Offerings: All service charges were harmonized by Day 0 with customer notified well in advance. All products and services were studied, benchmarked against industry peers and integrated with a view to ensure not just 'best-of-three', but 'best-in-class'
   - Customer centricity has been the fulcrum: All existing customer support channels including call center, customer care centers, social media teams were strengthened, and a pro-active, customer-centric communications campaign was initiated. Additionally, in the wake of COVID 19 outbreak bank has focused on leveraging its technology tools requesting the customers to stay safe and have safe banking. Digital Banking platforms were utilized for operations to minimize physical contact points with higher focus on e-banking and digital channels to mitigate the risk of contact.
2. **Successful Completion of all Amalgamation Effective Date Milestones:** On April 1st, 2020,Union Bank of India, erstwhile Andhra Bank and erstwhile Corporation Bank became one bank. Post-Amalgamation, Union Bank of India conglomerate is India's fifth largest bank, and fourth largest bank with a combined network of 9,500 branches, 13,500 ATMs and combined business of ₹ 15+ lakh crores across a 120 million customer base. In addition, there is also an increase in the bank's global footprint with offices and branches in 6 countries. Consequently, the amalgamation has yielded significant benefits for Union Bank's customers, investors and shareholders as well as the Indian economy as far as Economy of Scale is concern.
3. **Benefits to customers:** Our customers will benefit from our larger scale and capital base. Not only can our customer avail best-in-class products and services for India's fourth largest banking network, but the commitment to customer centric service will remain unparallel. E-Andhra & e-Corporation bank's clients can now take full advantage of Union Bank's strengths in corporate and MSME advances. New expertise from e-Andhra Bank in gold loans and credit cards has been incorporated and made available in the form of new products to customers. Similarly, e-Corporation Bank's expertise in Point of Scale (POS) and Cash Management Service (CMS) is expected to be leveraged by Union Bank of India's customers. Together, this means an entirely new, digitally-first and best in class suite of products and services available to all customers at highly competitive rates.
4. **Benefits to investors and shareholders:** The amalgamation is an extremely positive development for our investors and shareholders. A renewed emphasis on meeting aggressive recovery targets, combined with strong cost synergies from the amalgamation is expected to make a significant improvement to profitability. At the same time, by entering new markets and new product segments led by a dedicated new sales structure, the bank's singular focus on business growth and digitization is expected to generate enormous shareholder value as enumerated from Good Governance value.
5. **Benefits to Indian economy:** The Indian economy is also expected to benefit from amalgamation. Our larger capital base ensures we can play a larger role in developmental finance and provide credit for nation building activities. At the same time, Union Bank can now deliver best in class services to a huge deposit base of 120 Million customers, including many BSBD and Jan Dhan account holders boosting financial inclusion and digital activation.
6. **New Organisation Structure being rolled out:** Following thus successful amalgamation in April, Union Bank announced the rollout of its new, combined four-tiered organization structure which includes 18 zonal offices and 125 regional offices on June 11th, 2020. The amalgamated entity's central office (CO) will continue to be based in Mumbai. In order to leverage the pan India presence of the bank along with strong foothold in Southern states controlling offices were opened in all strategic locations. Four new zonal offices have been established in Chandigarh, Jaipur, Mangalore and Visakhapatnam with a strategic view to increase penetration across these geographies. The opening of two new zonal offices in Southern India will enable the bank to further strengthen its high market share in this vital region. In order to further capitalize on our expanded presence, 33 of 125 regional offices are in entirely new locations such as Amritsar, Anand, Bhagalpur, Anantpur, Rajahmundry, Shimla, Amravati etc. Not only are the new offices expected to consolidate the bank's commanding market share in traditionally strong states such as Telangana, Andhra Pradesh, Uttar Pradesh and Maharashtra but also enable it to expand its pan-India presence especially in the North Eastern area with presence of Regional Offices at Guwahati, Siliguri, Durgapur, etc.

7. **Enhanced Business Focus and realizing Synergies:** With the organization structure in place, the primary focus of the bank today is business growth and capturing all possible synergies from the amalgamation. Significant cost saving initiatives are currently being driven that have been made possible by our larger scale. With several branches and ATMs of the erstwhile banks located in close proximity to each other, opportunities to rationalize certain branches and unprofitable ATMs are expected to positively impact the bottom line. Rationalization of common vendors and service providers is also expected to yield significant savings. At the same time, our larger scale has also presented opportunities for revenue growth. Dedicated campaigns to improve CASA balances, RAM advances and fee income are also underway.

8. **Aspirations of becoming a leading digital bank with customer centricity as the main focus:** With respect to the future, Union Bank has set a bold aspiration to become India's leading digital bank. To achieve this goal, several key initiatives have already been started. Retail customers can now apply online for personal loans and home loans; MSME customers can also apply for select products online. Union Bank is also actively pursuing further opportunities to digitize across multiple retail sectors including agricultural products. In addition to digital lending, Union Bank is also continually upgrading its Mobile Banking App and Net Banking facilities to ensure all best-in-class features continue to be available. Digital ways of working are being embedded into the bank's culture with digital, remote working the new norm and a new digitally-driven performance management system in development to ensure a highly productive, and digitally up skilled employee force. Digital tools and technology will also be widely used to improve recovery efforts, lead generation, customer service delivery etc.

   Post-amalgamation, Union Bank is India's most dynamic public sector bank. With a strong ambition to transform into India's leading digital bank with best in class services and offerings to customers combined with dedicated leadership and engaged employees, Union Bank is now singularly focused on a delivering sustained business growth and investor value in the coming decade.

Impact of COVID-19 pandemic:

The impact of COVID-19 is different in diverse territories, based on its severances and category of zone i.e. Red, Orange or Green or Containment Zone.

Considering essential nature of services, Government of India had allowed banks to continue their operations during lockdown imposed in the country. Further, to contain the spread of COVID-19, the Indian Banks' Association (IBA) had put in place Standard Operating Procedures (SOPs) for banks to carry out certain essential banking activities.

Outbreak of COVID – 19 Pandemic had impacted credit and recovery segments of banking business. Though there was an impact on recovery, loan default risk has been largely minimized on account of grant of moratorium on repayment of loans and other measures to reduce the interest burden by Reserve Bank of India (RBI).

In addition to regular banking services, Bank is also extending need based emergency credit line to the customers to facilitate for continuity of their operation including a line of credit to MSMEs under the scheme formulated by government of India. The said facility to MSMEs is fully guaranteed by National Credit Guarantee Trustee Company Limited (NCGTC).

We are encouraging our customers to use our Digital products & services like ATMs, Internet Banking and U-Mobile App (Union Bank's Mobile Banking App) for continuity of their transactions.

Quarterly Financial Results:

We are pleased to share with you the Standalone and Consolidated Reviewed Unaudited Financial Results of your Bank for the Quarter ended June 30, 2020. The aforesaid Financial Results can also be accessed on the link given below:

Click Here to Download Q1 FY 20-21 Financials

In addition to above, the Press Release highlighting the financial performance and covering summary of some of the significant developments of your Bank during the same period is available on the link below:

Click Here to Download Q1 FY 20-21 Press Release

This is being sent as information to the Bank's registered shareholders whose email id is registered in Bank's record or with Depository Participant, in order to update them about your Bank's quarterly performance and some of the significant developments.

With best wishes,

For Union Bank of India

(Rajkiran Rai G.)
Managing Director & CEO

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra | कार्पोरेशन Corporation

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम
Reviewed Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

	विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone				समेकित Consolidated			
		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended
		30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#	30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#
		पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
1	अर्जित ब्याज (ए)+(बी)+(सी)+(डी) Interest Earned (a) + (b) + (c) + (d)	**18,42,880**	**9,28,941**	**8,89,762**	**37,23,112**	**18,55,577**	**9,36,297**	**8,95,991**	**37,47,922**
	(ए) (a) अग्रिमों/बिलों पर ब्याज/बट्टा Interest/Discount on Advances/Bills	12,43,576	6,24,909	6,12,787	25,07,870	12,45,380	6,27,787	6,14,675	25,15,293
	(बी) (b) निवेशों पर आय Income on Investments	5,23,596	2,62,008	2,41,201	10,57,286	5,33,962	2,66,257	2,45,375	10,73,577
	(सी) (c) भारतीय रिजर्व बैंक में जमाराशियों और अन्य अंतरबैंक निधियों पर ब्याज / Interest on Balances with Reserve Bank of India and other Inter Bank Funds	62,834	32,625	31,974	1,20,028	63,070	32,700	32,141	1,20,564
	(डी) (d) अन्य / Others	12,874	9,399	3,800	37,928	13,165	9,553	3,800	38,488
2	अन्य आय Other Income	1,46,246	2,01,758	98,952	5,26,079	1,93,124	2,11,314	1,09,377	5,78,927
ए. A.	**कुल आय TOTAL INCOME (1+2)**	**19,89,126**	**11,30,699**	**9,88,714**	**42,49,191**	**20,48,701**	**11,47,611**	**10,05,368**	**43,26,849**
3	दिया गया ब्याज / Interest Expended	12,02,561	6,41,130	6,37,943	25,79,437	12,03,138	6,43,369	6,39,161	25,83,681
	परिचालन खर्च (ए)+(बी) Operating Expenses (a) + (b)	3,83,156	2,24,305	1,62,130	7,51,642	4,38,640	2,38,777	1,76,415	8,18,787
	(ए) (a) कर्मचारी लागत Employees Cost	2,08,660	1,01,355	72,117	3,35,862	2,13,260	1,04,380	74,584	3,46,385
4	(बी) (b) अन्य परिचालन खर्च Other operating expenses	1,74,496	1,22,950	90,013	4,15,780	2,25,380	1,34,397	1,01,831	4,72,402
	(सी) (c) (ब्याज व्यय को छोड़कर कुल व्यय का 10% से अधिक सभी मदों को अलग से दर्शाया जा सकता है) (All items exceeding 10% of the total expenditure excluding interest expenditure may be shown separately)	-	-	-	-	-	-	-	-
बी. B.	**कुल खर्च (3)+(4) (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों को छोड़कर) TOTAL EXPENDITURE (Excluding Provisions and Contingencies) (3)+(4)**	**15,85,717**	**8,65,435**	**8,00,073**	**33,31,079**	**16,41,778**	**8,82,146**	**8,15,576**	**34,02,468**
सी. C.	**परिचालन लाभ (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों के पूर्व) (ए–बी) OPERATING PROFIT (Profit before Provisions & Contingencies) (A-B)**	**4,03,409**	**2,65,264**	**1,88,641**	**9,18,112**	**4,06,923**	**2,65,465**	**1,89,792**	**9,24,381**
डी. D.	**प्रावधान और आकस्मिकताएं (कर को छोड़कर) Provisions and Contingencies (Other than Tax)**	**3,55,577**	**3,50,169**	**1,51,934**	**10,69,877**	**3,59,022**	**3,61,229**	**1,53,150**	**10,88,505**
	(जिसमें से गैर निष्पादित आस्तियों के लिए प्रावधान) (Of which provisions for Non-Performing Assets)	(245112)	(297490)	(143110)	(930420)	(247399)	(308059)	(144344)	(946239)
ई. E.	असाधारण मदें Exceptional Items	-	2,50,998	-	2,50,998	-	2,50,998	-	2,50,998

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम
Reviewed Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

	विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone				समेकित Consolidated			
		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended
		30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#	30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#
		पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
एफ. F.	साधारण गतिविधियों से लाभ/(हानि) (सी–डी–ई) Profit/(Loss) from Ordinary Activities before Tax (C-D-E)	47,832	(3,35,903)	36707	(4,02,763)	47,901	(3,46,762)	36642	(4,15,122)
जी. G.	कर व्यय Tax Expenses	14,558	(85585)	14264	(112985)	14,652	(83835)	14,264	(111039)
एच. H.	कर पश्चात साधारण गतिविधियों से निवल लाभ/(हानि) (एफ–जी) Net Profit/(Loss) from Ordinary activity after tax (F-G)	33,274	(250318)	22,443	(289778)	33,249	(262927)	22,378	(304083)
आई. I.	असाधारण मदें (दिए गए करों को घटाकर) Extraordinary items (net of tax expense)	-	-	-	-	-	-	-	-
जे. J.	घटाएँ : अल्प मत हित Less : Minority Interest	-	-	-	-	-	-	-	-
के. K.	जोड़े : एशोसिएट में लाभ का शेयर Add : Share of Profit in Associate	-	-	-	-	846	(8376)	634	-8,006
एल. L.	अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (एच–आई–जे+के) Net Profit/(Loss) for the period (H-I-J+K)	33,274	(250318)	22,443	(289778)	34,095	(271303)	23,012	(312089)
5	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य ₹10) Paid-up Equity Share Capital (F.V. of each share ₹ 10)	6,40,684	3,42,282	1,76,302	3,42,282	6,40,684	3,42,282	1,76,302	3,42,282
6	आरक्षित निधियाँ जिनमें पुनर्मूल्यन आरक्षित निधियाँ शामिल नहीं (पिछले वर्ष के तुलनपत्र के अनुसार) Reserves excluding Revaluation Reserves (as per Balance Sheet of previous year)	-	-	-	26,43,371	-	-	-	27,28,843
7	विश्लेषणात्मक अनुपात Analytical Ratios								
	(i) भारत सरकार द्वारा धारित शेयरों का प्रतिशत Percentage of Shares held by Government of India	89.07	86.75	74.27	86.75	89.07	86.75	74.27	86.75
	(ii) पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासल III) % Capital Adequacy Ratio (Basel III) %	11.62	12.81	11.43	12.81	11.57	12.71	11.51	12.71
	(ए) (a) सीईटी 1 अनुपात CET 1 Ratio	8.40	9.40	7.87	9.40	8.37	9.33	7.95	9.33
	(बी) (b) अतिरिक्त टियर 1 अनुपात Additional Tier 1 Ratio	1.09	1.36	1.40	1.36	1.08	1.34	1.40	1.34
	(iii) बेसिक और डायल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन Basic and Diluted Earnings Per Share								
	(ए) (a) असाधारण मदों से पूर्व Before Extraordinary Items	*0.52	*(7.31)	*1.27	(12.49)	*0.53	*(7.93)	*1.31	(13.45)
	(बी) (b) असाधारण मदों के पश्चात After Extraordinary Items	*0.52	*(7.31)	*1.27	(12.49)	*0.53	*(7.93)	*1.31	(13.45)
	(iv) एनपीए अनुपात NPA Ratios								

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम
Reviewed Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

	विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone				समेकित Consolidated			
		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended
		30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#	30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#
		पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
	(ए) (a) सकल गैर निष्पादित आस्तियों की राशि Amount of Gross Non-Performing Assets	97,18,995	49,08,530	48,81,188	49,08,530	लागू नहीं Not Applicable	लागू नहीं Not Applicable	लागू नहीं Not Applicable	लागू नहीं Not Applicable
	(बी) (b) निवल गैर निष्पादित आस्तियों की राशि Amount of Net Non-Performing Assets	28,91,350	17,30,314	21,23,089	17,30,314				
	(सी) (c) सकल गैर निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत % of Gross NPAs	14.95	14.15	15.18	14.15				
	(डी) (d) निवल गैर निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत % of Net NPAs	4.97	5.49	7.23	5.49				
(v)	आस्तियों पर आय (वार्षिकीकृत)(औसत)(%) Return on Assets (Annualised) (Average)(%)	0.12	(1.76)	0.17	(0.53)				

* गैर–वार्षिकीकृत Not Annualized

आंकड़ें पूर्व समामेलित अवधि के स्टैंडअलोन और समेकित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वित्तियों से संबंधित है इसलिए 30 जून, 2020 (नोट क्र. 3(ए) का संदर्भ लें) को समाप्त तिमाही हेतु पूर्व समामेलित वित्तियों के साथ तुलनीय नहीं है.

#(Figures are related to Standalone and consolidated Union Bank of India Financials for pre-amalgamation period, hence not comparable with post amalgamation financials for the quarter ended 30th June 2020 (Refer Note no 3a)

(मानस रंजन बिस्वाल)
कार्यपालक निदेशक
(Manas Ranjan Biswal)
Executive Director

(बिरुपाक्ष मिश्रा)
कार्यपालक निदेशक
(Birupaksha Mishra)
Executive Director

(दिनेश कुमार गर्ग)
कार्यपालक निदेशक
(Dinesh Kumar Garg)
Executive Director

(गोपाल सिंह गुसाईं)
कार्यपालक निदेशक
(Gopal Singh Gusain)
Executive Director

(राजकिरण रै जी.)
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
(Rajkiran Rai G.)
Managing Director & CEO

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए क्षेत्रवार रिपोर्ट
Segment Report for the Quarter ended 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

	विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone				समेकित Consolidated			
		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended
		30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#	30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#
		पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
ए. a.	**क्षेत्र का राजस्व Segment Revenue**								
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	6,65,282	4,01,658	3,18,030	14,21,120	6,65,282	4,01,658	3,18,030	14,21,120
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	6,10,164	2,89,775	2,72,664	11,27,283	6,10,164	2,89,775	2,72,664	11,27,283
3	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	6,98,312	4,28,192	3,89,241	16,62,894	6,98,312	4,28,192	3,89,241	16,62,894
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	22,559	19,771	13,787	68,887	22,559	19,771	13,787	68,887
5	अनाबंटित Unallocated	-	-	1,815	1,815	59,575	16,912	18,469	79,473
	कुल क्षेत्रवार राजस्व Total Segment Revenue	19,96,317	11,39,396	9,95,537	42,81,999	20,55,892	11,56,308	10,12,191	43,59,657
	घटाएँ: अंतर-क्षेत्र राजस्व Less Inter-segment Revenue	(7,191)	(8,697)	(6,823)	(32,808)	(7,191)	(8,697)	(6,823)	(32,808)
	परिचालन से आय Income from operations	19,89,126	11,30,699	9,88,714	42,49,191	20,48,701	11,47,611	10,05,368	43,26,849
(बी) (b)	**क्षेत्र के परिणाम (अर्थात लाभ/(हानि) कर पूर्व) Segment Results (i.e. Profit/(Loss) Before Tax)**								
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	2,80,394	1,34,799	72,126	3,66,603	2,80,394	1,34,799	72,126	3,66,603
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	81,903	5,742	26,051	82,326	81,903	5,742	26,051	82,326
3	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	(3,30,125)	(2,36,169)	(70,700)	(6,40,383)	(3,30,125)	(2,36,169)	(70,700)	(6,40,383)
	जोड़े : विशिष्ट मद Add : Exceptional Item	-	(2,50,998)	-	(2,50,998)	-	(2,50,998)	-	(2,50,998)
2	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग (विशिष्ट मद के बाद) Corporate/Wholesale Banking (After Exceptional Item)	(3,30,125)	(4,87,167)	(70,700)	(8,91,381)	(3,30,125)	(4,87,167)	(70,700)	(8,91,381)
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	15,660	10,723	7,415	37,874	15,660	10,723	7,415	37,874
5	अनाबंटित Unallocated	-	-	1,815	1,815	69	(10,859)	1,750	(10,544)
	कर पूर्व कुल लाभ/(हानि) Total Profit/(Loss) Before Tax	47,832	(3,35,903)	36,707	(4,02,763)	47,901	(3,46,762)	36,642	(4,15,122)
(सी) (c)	कर के लिए प्रावधान Provision for Tax	14,558	(85,585)	14,264	(1,12,985)	14,652	(83,835)	14,264	(1,11,039)
(डी) (d)	कर के बाद कुल लाभ/(हानि) Net Profit/(Loss) After Tax	33,274	(2,50,318)	22,443	(2,89,778)	33,249	(2,62,927)	22,378	(3,04,083)
	जोड़े : एसोसिएट में लाभ का शेयर Add : Share of Profit in Associate	-	-	-	-	846	(8,376)	634	(8,006)

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए क्षेत्रवार रिपोर्ट
Segment Report for the Quarter ended 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

	विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone				समेकित Consolidated			
		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त वर्ष Year Ended
		30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#	30.06.2020	31.03.2020#	30.06.2019#	31.03.2020#
		पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
(ई) (e)	समेकित शुद्ध लाभ / (हानि) Consolidated Net Profit/(Loss)	-	-	-	-	**34,095**	**(2,71,303)**	**23,012**	**(3,12,089)**
(एफ) (f)	क्षेत्रवार आस्तियां Segment Assets								
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	4,35,75,858	2,11,74,101	1,85,02,087	2,11,74,101	4,35,75,858	2,11,74,101	1,85,02,087	2,11,74,101
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	2,69,35,302	1,24,53,001	1,13,89,024	1,24,53,001	2,69,35,302	1,24,53,001	1,13,89,024	1,24,53,001
3	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/Wholesale Banking	3,53,74,546	2,00,93,174	1,89,31,247	2,00,93,174	3,53,74,546	2,00,93,174	1,89,31,247	2,00,93,174
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	16,78,863	13,48,051	13,35,775	13,48,051	26,47,293	18,30,629	17,93,527	18,30,629
	कुल Total	**10,75,64,569**	**5,50,68,327**	**5,01,58,133**	**5,50,68,327**	**10,85,32,999**	**5,55,50,905**	**5,06,15,885**	**5,55,50,905**
(जी)	क्षेत्रवार देयताएं Segment Liabilities								
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	4,02,05,887	2,01,92,803	1,78,50,817	2,01,92,803	4,02,05,887	2,01,92,803	1,78,50,817	2,01,92,803
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	2,68,12,927	1,19,53,872	1,10,42,589	1,19,53,872	2,68,12,927	1,19,53,872	1,10,42,589	1,19,53,872
3	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/Wholesale Banking	3,38,60,787	1,92,87,819	1,83,55,391	1,92,87,819	3,38,60,787	1,92,87,819	1,83,55,391	1,92,87,819
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	5,69,156	2,55,268	2,38,214	2,55,268	15,04,232	7,17,470	6,60,583	7,17,470
	कुल Total	**10,14,48,757**	**5,16,89,762**	**4,74,87,011**	**5,16,89,762**	**10,23,83,833**	**5,21,51,964**	**4,79,09,380**	**5,21,51,964**
(एच) (h)	नियोजित पूंजी (अर्थात आस्ति वर्ग–देयताएं वर्ग) Capital Employed (i.e. Seg Assests-Seg Liabilities)								
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	33,69,971	9,81,298	6,51,270	9,81,298	33,69,971	9,81,298	6,51,270	9,81,298
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	1,22,375	4,99,129	3,46,435	4,99,129	1,22,375	4,99,129	3,46,435	4,99,129
3	कॉर्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/Wholesale Banking	15,13,759	8,05,355	5,75,856	8,05,355	15,13,759	8,05,355	5,75,856	8,05,355
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	11,09,707	10,92,783	10,97,561	10,92,783	11,43,061	11,13,159	11,32,944	11,13,159
	कुल Total	61,15,812	33,78,565	26,71,122	33,78,565	61,49,166	33,98,941	27,06,505	33,98,941

आंकड़ें पूर्व समामेलित अवधि के स्टैंडअलोन और समेकित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वित्तियों से संबंधित है. इसलिए 30 जून, 2020 (नोट क्र. 3(ए) का संदर्भ लें) को समाप्त तिमाही हेतु पूर्व समामेलित वित्तियों के साथ तुलनीय नहीं है.

#Figures are related to standalone and consolidated Union Bank of India Financials for pre-amalgamation period, hence not comparable with post amalgamation financials for quarter ended 30th June 2020 (Refer Note No. 3a)

1. बैंक चार क्षेत्रों अर्थात ट्रेजरी, रिटेल, कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग एवं अन्य बैंकिंग में परिचालन करता है. उत्पाद और सेवाओं की जोखिम प्रोफ़ाइल और प्रकृति, लक्षित ग्राहक प्रोफ़ाइल, बैंक की संगठनात्मक संरचना और आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणाली पर विचार करने के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी क्षेत्रवार रिपोर्टिंग से संबंधित लेखा मानक एएस–17 के अनुसार इन क्षेत्रों की पहचान की गयी है. बैंक ने कारोबार क्षेत्र को प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में प्रकट किया है. इस अवधि के लिए विदेशी शाखा के निर्धारित राजस्व और अन्य पैरामीटर एएस–17 में निर्धारित सीमा के अंतर्गत हैं. अतः बैंक का रिपोर्ट योग्य भौगोलिक क्षेत्र केवल एक ही है.

   The Bank operates in four segments viz., Treasury, Retail, Corporate / Wholesale and Other Banking Operations. These segments have been identified in line with AS-17 on Segment Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India(ICAI) after considering the nature and risk profile of the products and services, the target customer profiles, the organizational structure and the internal reporting system of the bank. The bank has disclosed the business segment as primary segment. The revenue and other parameters of foreign branches for the period are within the threshold limits stipulated as per AS-17 and hence the bank has only one reportable geographical segment.

2. सीधे तौर पर आबंटित न किए जा सकने योग्य आय, व्यय, प्रयुक्त पूंजी प्रबंधन द्वारा उचित समझे जाने वाले अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट किए जाने वाले क्षेत्रों में आबंटित कर दिए गए हैं.

   Segment wise income, expenditure, Capital employed which are not directly allocable have been allocated to the reportable segments based on assumptions as considered appropriate by the management.

3. जहां भी आवश्यक है, मौजूदा तिमाही / अर्ध–वर्ष / वर्ष के वर्गीकरण / प्रस्तुतीकरण के साथ समकक्ष पूर्व आंकड़ों को पुनः वर्गीकृत / पुनः समूहित किया गया है.

   Previous period figures have been regrouped/recasted wherever considered necessary to correspond with the current Quarter's/Half Year's/Year's classification/ presentation.

30 जून, 2020 को आस्तियों एवं देयताओं का विवरण

Statement of Assets and Liabilities as on 30th June, 2020

(₹ लाख में/in lacs)

विवरण Particulars	स्टैंडअलोन Standalone			समेकित Consolidated		
	30.06.2020	30.06.2019*	31.03.2020*	30.06.2020	30.06.2019*	31.03.2020*
	पुनरीक्षित Reviewed	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited	पुनरीक्षित Reviewed	पुनरीक्षित Reviewed	लेखापरीक्षित Audited
पूंजी एवं देयता CAPITAL AND LIABILITIES						
पूंजी Capital	6,40,684	1,76,302	3,42,282	6,40,684	1,76,302	3,42,282
सहायक कंपनी द्वारा जारी किए गए अधिमानी शेयर पूंजी Preference Share Capital issued by subsidiary company	---	---	---	10,400	10,400	10,400
प्रारक्षित एवं अधिशेष Reserves and Surplus	54,75,128	24,94,821	30,36,283	54,98,082	25,19,803	30,46,258
जमाराशियाँ Deposits	8,92,54,132	4,30,01,354	4,50,66,845	8,94,27,258	4,31,62,812	4,52,43,615
उधारियां Borrowings	93,92,919	33,87,801	52,48,625	94,16,811	34,19,827	52,71,406
अन्य देयताएं तथा प्रावधान Other Liabilities and Provisions	28,01,706	10,97,855	13,74,292	35,39,764	13,26,741	16,36,944
कुल Total	**10,75,64,569**	**5,01,58,133**	**5,50,68,327**	**10,85,32,999**	**5,06,15,885**	**5,55,50,905**
आस्तियां ASSETS						
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकदी तथा शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	28,57,494	18,96,067	20,11,830	28,57,779	18,96,184	20,11,892
बैंक के पास शेष तथा मांग और अल्प अवधि के नोटिस परधन Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	76,84,858	19,60,252	34,98,792	77,17,767	19,68,982	35,12,987
निवेश Investments	3,26,53,215	1,40,05,853	1,52,41,390	3,32,95,039	1,42,50,960	1,54,25,149
अग्रिम Advances	5,81,71,720	2,93,81,112	3,15,04,941	5,84,32,421	2,95,68,478	3,17,67,743
अचल आस्तियां Fixed Assets	7,28,398	3,77,066	4,76,252	7,31,094	3,78,304	4,77,550
अन्य आस्तियां Other Assets	54,68,884	25,37,783	23,35,122	54,98,899	25,52,977	23,55,584
कुल Total	**10,75,64,569**	**5,01,58,133**	**5,50,68,327**	**10,85,32,999**	**5,06,15,885**	**5,55,50,905**

*आंकड़ें पूर्व समामेलित अवधि के स्टैंडअलोन और समेकित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वित्तियों से संबंधित है. इसलिए 30 जून, 2020 (नोट क्र. 3 (ए) का संदर्भ लें) को समाप्त तिमाही हेतु पूर्व समामेलित वित्तियों के साथ तुलनीय नहीं है.

*figures are related to standalone and consolidated Union Bank of India financials for pre-amalgamation period, hence not comparable with post amalgamation financials for the quarter ended 30th June, 2020 (Refer Note No.3a).

नोट्स / NOTES:

1. 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु बैंक के कार्यपरिणामों की समीक्षा एवं संस्तुति बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति द्वारा की गई है, एवं निदेशक मंडल द्वारा 21 अगस्त, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित की गई है. सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमन, 2015 एवं भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप इन परिणामों की सीमित समीक्षा सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों द्वारा की गयी है. लेखापरीक्षकों ने 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु एक क्लीन रिपोर्ट जारी की है.

   The working results of the Bank for the quarter ended 30th June, 2020 have been reviewed and recommended by Audit Committee of the Board and approved by the Board of Directors in their meeting held on 21st August, 2020. The same has been subjected to limited

review by the Statutory Central Auditors of the Bank in line with the guidelines issued by the Reserve Bank of India and as per the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulation, 2015. The auditors have issued a clean report for the quarter ended 30th June, 2020.

2. प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अंतिम तिमाही के आंकड़े पूर्ण वित्तीय वर्ष के संबंध में लेखापरीक्षित आंकड़ों और संबंधित वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत तक के आंकड़ों को प्रकाशित वर्ष के बीच अंतिम शेष आंकड़े हैं.

   The figures of the last quarter in each of the financial years are the balancing figures between audited figures in respect of the full financial year and the published year to date figures upto the end of third quarter of the respective financial year.

3. ए) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग ने राजपत्र अधिसूचना सीजी–डीएल–ई–04032020–216535 दिनांक 4 मार्च, 2020 के ज़रिए 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक (समामेलित बैंक) के समामेलन की योजना को मंजूरी दे दी है. 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के कार्य परिणामों में पूर्व के आंध्रा बैंक एवं पूर्व कॉर्पोरेशन बैंक का परिचालन शामिल हैं. अतः वर्तमान तिमाही के परिणाम तुरंत पूर्ववर्ती तिमाही एवं तदनुरूपी पिछले वर्ष के साथ तुलनीय योग्य नहीं हैं.

   बी) बैंक ने 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक के समामेलन को रिकॉर्ड करने हेतु भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए 'समामेलन हेतु लेखांकन' पर लेखांकन मानक 14 के तहत निर्धारित 'पूलिंग ऑफ इंटरेस्ट' पद्धति को अपनाया है.

   तदनुसार, 1 अप्रैल, 2020 को तुलनपत्र के प्रारंभिक में शेष ₹1309.60 करोड़ समामेलन रिजर्व के रूप समामेलित बैंकों की शुद्ध आस्तियों और समामेलित बैंकों के शेयरधारकों को जारी किए गए शेयरों की राशि के बीच का अंतर है. बैंक ने सीईटी I के तहत सीआरएआर की गणना के उद्देश्य से इस राशि को शामिल किया है एवं इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक से अनुमोदन के लिए लंबित है.

   a) The Government of India (GOI), Ministry of Finance, Department of Financial Services vide Gazette Notification CG-DL-E-04032020-216535 dated 4th March, 2020 approved the scheme of amalgamation of Andhra Bank and Corporation Bank (Amalgamating Banks) into Union Bank of India effective from 1st April, 2020. The working results for the quarter ended 30th June, 2020 include operations of erstwhile Andhra Bank and erstwhile Corporation Bank. Hence the results for the current quarter are not comparable with immediately preceding quarter and corresponding previous year.

   b) The Bank has adopted "Pooling of Interest" method as prescribed under the Accounting Standard – 14 on "Accounting for Amalgamations" issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), to record amalgamation of Andhra Bank and Corporation Bank (the amalgamating banks) with the Bank with effect from 1st April, 2020.

   Accordingly, the difference of ₹ 1309.60 Crore between the net assets of amalgamating banks and the amount of shares issued to shareholders of the amalgamating banks has been recognized as Amalgamation Reserve in the opening balance sheet as on 1st April, 2020. The Bank has considered this amount under CET I for the purpose of calculation of CRAR and approval from the Reserve Bank of India is pending for the same.

4. पूर्व वर्ती 31 मार्च, 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष में पालन की जा रही नीतियों की तुलना में 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान लेखांकन नीतियों / अनुमानों (1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी) में परिवर्तन हुआ है:

   ए) एलसी/बीजी कमीशन की आय को पहले के समय के अनुसार प्राप्त पावती के आधार पर राजस्व के रूप में मान्यता प्राप्त है. लेखांकन नीति में परिवर्तन के प्रभाव के कारण तिमाही के लिए परिणामी अन्य आय और शुद्ध लाभ में (कर से पूर्व) ₹134.08 करोड़ की कमी आयी है.

   (बी) आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में समामेलन करने के फलस्वरूप अचल आस्तियों के मूल्यहास की पद्धति में रिटीन डाउन वैल्यू से स्ट्रेटलाइन मेथड में परिवर्तन किया गया है एवं कुछ श्रेणी की आस्तियों के संबंध में अनुमानित उपयोगी जीवन में परिवर्तन किया गया है. उक्त परिवर्तनों के प्रभाव के परिणाम स्वरूप मूल्यह्रास में वृद्धि हुई है और इस तिमाही के लिए शुद्ध लाभ में (कर से पहले) ₹ 177.66 करोड़ की कमी हुई है.

   There is change in the accounting policies/estimates followed (with effect from 1st April, 2020) during the quarter ended 30th June, 2020 as compared to those followed in the preceding financial year ended 31st March, 2020:-

   a) LC/BG commission income is now recognized as revenue on accrual basis as against receipt basis followed in earlier periods. Impact due to the change in accounting policy has resulted in decrease in other income and net profit (before tax) for the quarter by ₹ 134.08 Crore.

   b) Pursuant to amalgamation of Andhra Bank and Corporation Bank into Union Bank of India, there is a change in method of depreciation on Fixed Assets from Written Down Value to Straight Line Method and change in estimated useful life with respect to some categories of assets. Impact due to the said changes has resulted in increase in depreciation and decrease in net profit (before tax) for the quarter by ₹ 177.66 Crore.

5. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी नंबर. बीपी.बीसी. 1/21.6.201/2015–16 दिनांक 01 जुलाई, 2015 के अनुरूप बैंक द्वारा बासल III पूंजी विनियमन के अधीन पिलर 3 प्रकटन करने की आवश्यकता है. यह जानकारी बैंक के वेबसाइट लिंक: **http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx** पर उपलब्ध है. यह प्रकटन सांविधिक लेखापरीक्षकों की सीमित पुनरीक्षा के अधीन नहीं है.

In terms of RBI circular DBOD No.BP.BC. 1/21.6.201/2015-16 dated 1st July, 2015, banks are required to make Pillar 3 disclosures under Basel III capital regulations. These details are made available on Bank's website with link: **http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx**. These disclosures are not subjected to limited review by the Statutory Central Auditors

6. इस तिमाही के दौरान, बैंक ने कॉल ऑप्शन का प्रयोग किया है और तदनुसार बासल II कंप्लेंट अपरटियर II बांड में ₹ 1050 करोड़ की कुल बचत की है.

   During the quarter, the Bank has exercised call option and accordingly has redeemed Basel II compliant Upper Tier II bonds aggregating ₹1050 Crore.

7. समूह कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरण (सीएफ़एस) में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और संस्थाओं के परिणाम निम्नानुसार हैं :

   The Consolidated Financial Statements (CFS) of group companies comprises the results of Union Bank of India and entities as detailed hereunder:

संस्था का प्रकार **Type of Association**	संस्था का नाम **Name of Entity**	बैंक के स्वामित्व का अनुपात **Proportion of Ownership of Bank**
पैरेंट Parent	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India	100%
सहायक कंपनियाँ Subsidiaries	यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लि. Union Asset Management Company Private Ltd	100%
	यूनियन ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि. Union Trustee Company Private Ltd	100%
	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया यूके लि. Union Bank of India UK Ltd	100%
	आंध्रा बैंक फाईनेंशियल सर्विसेस लि. Andhra Bank Financial Services Ltd	100%
	कॉर्प बैंक सेक्यूरिटीस लि. Corp Bank Securities Ltd	100%
संयुक्त रूप से नियंत्रित उपक्रम Jointly Controlled Entity	स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. Star Union Dai-Ichi Life Insurance Company Ltd	25.10%
	एएसआरईसी (इंडिया) लिमिटेड ASREC (India) Ltd	26.02%
	इंडिया फ़र्स्ट लाइफ इन्शुरेंस कं प्राइवेट लि. India First Life Insurance Co Pvt Ltd	30.00%
	इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी International Bank (Malaysia) BHD.	25.00%
एसोसिएट Associate	चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक Chaitanya Godavari Gramin Bank	35%

वित्त मंत्रालय ने राजपत्रित अधिसूचना 3837 दिनांक 26 नवंबर, 2019 के द्वारा काशी गोमती संयुत ग्रामीण बैंक (केजीएसजीबी) को 01 अप्रैल, 2020 से बड़ौदा यूपी बैंक में समामेलित किया है. अत: इस तारीख से केजीएसजीबी अब बैंक की सहयोगी नहीं हैं और इसलिए समेकित वित्तीय परिणामों के लिए इनके आंकड़ों को शामिल नहीं किया जाएगा.

Ministry of Finance vide Gazette Notification 3837 dated 26th November, 2019 amalgamated Kashi Gomti SamyutGramin Bank (KGSGB) into Baroda U P Bank with effect from 1st April, 2020. Thus, KGSGB is no longer an associate of the Bank since this date and hence not considered for these consolidated financial results.

8. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक 21 ''समेकित वित्तीय विवरण'', लेखांकन मानक 23 ''समेकित वित्तीय विवरण में सहयोगी संस्थाओं में निवेश का लेखांकन'' और लेखांकन मानक 27, ''संयुक्त उद्यम में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग'' तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार समेकित वित्तीय परिणाम तैयार किए गए हैं.

   The consolidated financial results have been prepared in accordance with the Accounting Standard - 21 "Consolidated Financial Statements", Accounting Standard- 23 "Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements", and Accounting Standard – 27 "Financial Reporting of Interest in Joint Venture" issued by the Institute of Chartered Accountants of India and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

9. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी मौजूदा दिशानिर्देशों के आधार पर 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही / अर्ध-वर्ष हेतु बैंक के कार्यशील परिणाम गैर-निष्पादित परिसंपतियों पर प्रावधान, मानक आस्तियां, पुनर्संरचित आस्तियां, मानक व्युत्पन्न एक्सपोजर, अरक्षित विदेशी मुद्रा करेंसी एक्सपोजर के साथ संस्थाओं के एक्सपोजर हेतु प्रावधान, दबाव ग्रस्त क्षेत्रों के अंतर्गत मानक अग्रिमों पर अतिरिक्त प्रावधान, एमएसएमई उधारकर्ता एवं गैर-निष्पादित निवेश तथा निवेश अवमूल्यन को ध्यान में रखने के बाद तैयार किए गए हैं.

The working results of the Bank for the quarter ended 30th June, 2020 have been arrived at after considering the provisions on Non-Performing Assets, Standard Assets, Restructured Assets, Standard Derivative Exposures, Provision for Exposure to Entities with Un-Hedged Foreign Currency Exposure, Additional provision on standard advances under stressed sector and Non Performing Investments and Investment Depreciation on the basis of extant guidelines issued by the Reserve Bank of India.

10. कर्मचारी लाभ एवं आयकर सहित अन्य सामान्य आवश्यक प्रावधान का आकलन अनुमानित आधार पर किया गया है. व्ययों को अनुमानित किया गया है एवं आनुपातिक आधार पर प्रदान किया गया है और वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समायोजन के अधीन भी हैं.

Provision for employee benefits and other usual necessary provisions including income tax have been made on estimated basis. Expenses are estimated & provided on a proportionate basis and are subject to adjustments during subsequent quarters.

11. भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्रक्र. डीबीआर नं. बी.पी.15199/21.04.048/2016-17 एवं डीबीआर नं. बी.पी.1906/21.04.048/2016-17 दिनांक 23 जून, 2017 और 28 अगस्त, 2017 क्रमशः के अनुसार, इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) के प्रावधानों के अधीन शामिल खातों के लिए, बैंक ने तुलनपत्र की तारीख तक ₹19236 करोड़ की कुल बकाया का 99.82% के लिए ₹19201 करोड़ का कुल प्रावधान किया है.

As per RBI circular No. DBR No. BP. 15199/21.04.048/2016-17 and DBR No. BP. 1906/21.04.048/2016-17 dated June 23, 2017 and August 28, 2017 respectively, for the accounts covered under the provisions of the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the Bank has made a total provision of ₹ 19201 Crore covering 99.82% of the total outstanding of ₹ 19236 Crore as on the Balance Sheet date.

12. भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्र क्र. डीबीआर. नं. बीपी.बीसी.83/21.04.048/2014-15 दिनांक 1 अप्रैल, 2015 और डीबीआर. नं. बीपी.बीसी. 92/21.04.048/2015-16 दिनांक 18 अप्रैल, 2016 के क्रम में, बैंक ने चार तिमाहियों की अवधि में धोखाधड़ी के लिए देयताएं प्रदान करने का विकल्प चुना है जिसे संबंधित अवधि में वसूला गया है. तदनुसार, 30 जून, 2020 तक कैरी फॉरवर्ड किए गए प्रावधान ₹1647.62 करोड़ है जिसका बैंक द्वारा बाद की तिमाहियों में परिशोधन किया जाना है.

In terms of RBI Circular DBR.No.BP.BC.83/21.04.048/2014-15 dated 1st April, 2015 and DBR.No.BP.BC.92/21.04.048/2015-16 dated 18th April, 2016 the Bank has opted to provide the liability towards frauds over a period of four quarters as against the charging the same in the relevant period. Accordingly, the carry forward provision as on 30th June, 2020 is ₹ 1647.62 Crore which is to be amortised in the subsequent quarters by the Bank.

13. ''सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र (एकबारगी पुनर्गठन) – अग्रिमों का पुनर्गठन'' पर भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्र क्र. डीबीआर.बीपी.बीसी.18/21.04.048/2018-19 दिनांक 1 जनवरी, 2019 और डीओआर. नं. बीपी.बीसी. 34/21.04.048/2019-20 दिनांक 11 फरवरी, 2020 के अनुसार, बैंक ने निम्न एमएसएमई उधारकर्ता खातों का पुनर्गठन किया है.

In terms of RBI Circular No. DBR.BP.BC.18/21.04.048/2018-19 dated 1st January, 2019 and DOR.No. BP.BC.34/21.04.048/2019-20 dated 11th February, 2020 on “Restructuring of Advances – Micro, Small & Medium Enterprises (MSME) Sector (One Time Restructuring)”, the Bank has restructured the MSME borrower accounts as under:

पुनर्गठित खातों की संख्या No of Accounts restructured	राशि Amount
59202	₹ 2883.94 करोड़ Crore

14. आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानिकरण पर 'कोविड 19 विनियामक पैकेज' से संबंधित 27 मार्च, 2020, 17 अप्रैल, 2020 और 23 मई, 2020 के भारतीय रिजर्व बैंक दिशानिर्देशों के क्रम में, बैंक ने मानक के रूप में वर्गीकृत पात्र उधारकर्ताओं के लिए 1 मार्च, 2020 से 31 अगस्त, 2020 के दरम्यान देय लागू किश्त और/या ब्याज के, भले ही वे 29 फरवरी, 2020 तक अति देय हुए हों, उनका पुनर्गठन किया जाना है इस पर विचार किए बिना, भुगतान पर अधिस्थगन प्रदान किया है. आईआरएसी मानदंडों के अनुरूप आस्ति वर्गीकरण के उद्देश्य से बैंक द्वारा पिछले देय के दिनों से जहां भी अधिस्थगन अवधि दी गई, में से हटा दिया जाएगा. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, उधारी खातों के संबंध में जहां आस्ति वर्गीकरण लाभ भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रदत्त किया गया है, वहाँ बैंक से अपेक्षित है कि बकाया अग्रिमों का कम से कम 10% प्रावधान दो तिमाहियों के लिए कम से कम 5% चरणबद्ध ढंग से सुनिश्चित करें. जिसकी शुरुआत 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही से की जानी है. तदनुसार, बैंक ने उक्त परिपत्र के द्वारा निम्नलिखित राहत प्रदान की है.

In terms of RBI guidelines relating to 'Covid 19 Regulatory Package' on Asset Classification and Provisioning dated 27th March, 2020, 17th April, 2020 and 23rd May, 2020, the Bank has extended moratorium on payment of instalment and/or interest as applicable, falling due between 1st March, 2020 to 31st August, 2020 to eligible borrowers classified as standard, even if overdue, as on 29th February, 2020 without considering the same as restructuring. The moratorium period wherever granted, shall be excluded by the Bank from the number of days past due for the purpose of asset classification in terms of IRAC norms. In accordance with RBI guidelines, the Bank is required to make provision of not less than 10% of outstanding advances to be phased over two quarters not less than 5% beginning with quarter ended 31st March, 2020 in respect of borrowal accounts where asset classification benefit has been granted as per RBI guidelines. Accordingly, the Bank has extended the relief in terms of the said circular as under:

(₹ करोड़ में/₹ in Crore)

क्रम सं. SN	विवरण Particulars	राशि Amount
1	एसएमए/अतिदेय संवर्ग में राशि जहां अधिस्थगन/स्थगन प्रदान की गई है Amounts in SMA/overdue categories, where the moratorium/deferment was extended	49683.38
2	राशि जहां आस्ति वर्गीकरण लाभ प्रदान किया गया है Amount where asset classification benefits is extended	5399.98
3	तिमाही के दौरान प्रदत्त अतिरिक्त प्रावधान Additional Provisions made during the quarter	343.16
4	30 जून, 2020 तक धारित कुल प्रावधान Total Provision held as on 30th June, 2020	682.95*
5	संबंधित लेखांकन अवधि के दौरान स्लिपेज अवशिष्ट प्रावधानों के सापेक्ष समायोजित प्रावधान Provisions adjusted during the respective accounting periods against slippages and the residual provisions	शून्य NIL

*बैंक द्वारा किया गया प्रावधान ₹ 142.96 करोड़ है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक के दिनांक 17 अप्रैल, 2020 के दिशानिर्देशों की अपेक्षा से अधिक है.

*The provision made by the Bank is higher by Rs. 142.96 Crore than requirement as per the RBI guidelines dated 17th April, 2020.

15. दबाव ग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए प्रूडेंशियल फ्रेमवर्क पर भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्र क्र. डीबीआर.नं.बीपी.बीसी.45/21.04.048/2018-19 दिनांक 7 जून, 2019 के क्रम में बैंक ने 13 खातों में ₹539.19 करोड़ अतिरिक्त प्रावधान किया है.

    In terms of RBI Circular DBR.No.BP.BC.45/21.04.048/2018-19 dated 7th June, 2019 on Prudential Framework for Resolution of Stressed Assets the bank is holding additional provision amounting to ₹ 539.19 Crore in 13 accounts.

16. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक ने तिमाही के दौरान परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी की ₹ 13508.08 करोड़ (अंकित मूल्य) की प्रतिभूतियों को बिक्री के लिए उपलबध (एएफएस) श्रेणी में और एएफएस की ₹ 12500.00 करोड़ (अंकित मूल्य) की प्रतिभूतियों को एचटीएम श्रेणी में स्थानांतरित किया है और इसके परिणाम स्वरुप ₹ 124.14 करोड़ का अवमूल्यन पूर्णत: प्रदान किया गया है.

    In accordance with guidelines of RBI, the Bank has shifted securities from Held to Maturity (HTM) category to Available for Sale (AFS) category amounting to ₹ 13508.08 crore (Face Value), and AFS to HTM category amounting to ₹ 12500.00 crore (Face Value) during the quarter and resulting depreciation of ₹ 124.14 crore has been fully provided.

17. 4 अगस्त, 2020 को आयोजित वार्षिक साधारण बैठक में बैंक ने, वित्त मंत्रालय द्वारा 23 मार्च, 2020 को जारी राजपत्रित अधिसूचना के संदर्भ में प्रतिभूति प्रीमियम खातों के सापेक्ष ₹ 32,758.49 करोड़ की संचित हानि का समंजन करने के लिए अपने शेयरधारकों से अनुमति ली है. यह विनियामक अनुमोदन के अधीन है और भारतीय रिजर्व बैंक की स्वीकृति प्राप्त होने पर लेखा बहियों में इसको दर्शाया जाएगा.

    In the Annual General Meeting held on 4th August, 2020, the Bank has taken approval of its shareholders in terms of Gazette Notification issued by Ministry of Finance on 23rd March, 2020 for set off of accumulated losses of ₹ 32,758.49 Crore against securities premium account. The same is subject to regulatory approval and will be given effect in books of accounts upon receipt of RBI's approval.

18. निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित समामेलन और भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसरण में, बैंक ने 31 मार्च, 2020 तक मौजूदा आईआरएसी मानदंडों के अनुसार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आंध्रा बैंक एवं कॉर्पोरेशन बैंक के बीच आस्ति वर्गीकरण में विचलन के प्रभाव एवं प्रावधानीकरण के संबंध में सामंजस्य की प्रक्रिया शुरू की है. तद नुसार, 31 मार्च, 2020 तक संबंधित बैंकों में ₹3,654.91 करोड़ की राशि (यूबीआई के लिए ₹2,509.98 करोड़, पूर्व-कॉर्पोरेशन बैंक के लिए ₹199.86 करोड़ और पूर्व-आंध्रा बैंक के लिए ₹945.07 करोड़) प्रदान की गयी है. इसके अतिरिक्त, 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान ₹323.86 करोड़ अतिरिक्त सामंजस्य प्रावधान किया गया है.

    In pursuance of amalgamation approved by the Board of Directors and further directives by Reserve Bank of India, the Bank had carried out the process of harmonisation with regard to impact of Divergence in Asset Classification and provisioning across Union Bank of India, Corporation Bank & Andhra Bank as per extant IRAC norms as on March 31, 2020.Accordingly, an amount of ₹ 3,654.91 Crore was provided in respective Banks as on 31st March, 2020 (₹ 2,509.98 Crore relating to UBI, ₹ 199.86 Crore relating eCB and ₹945.07 Crores relating to eAB). Over and above this, additional harmonization provision amounting to ₹ 323.86Crore is made during the quarter ended 30th June, 2020.

19. कोविड-19 महामारी के प्रकोप ने बैंकिंग कारोबार के ऋण एवं वसूली क्षेत्र को प्रभावित किया है. यद्यपि वसूली पर प्रभाव पड़ा है, तथापि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा, ऋण के डिफ़ॉल्ट जोखिम को काफी हद तक कम करने के लिए आस्थगन अवधि प्रदान की गई एवं ब्याज के बोझ को कम करने के लिए ऋणों की एक बारगी पुनर्संरचना एवं अन्य उपाय किए गए हैं.

    क्रमिक रूप में लॉकडाउन को हटाना एवं आर्थिक गतिविधियों को आंशिक रूप से पुनः प्रारंभ होने के साथ बैंक ने अपनी सभी शाखाओं और वैकल्पिक डिजिटल चैनलों के माध्यम से पूर्ण संचालन फिर से शुरू कर दिया है.

हालांकि, स्थिति अनिश्चित बनी हुई है तथापि बैंक को आशा है कि भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे उपायों से चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद है. फिर भी, प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय परिणामों में किसी भी समायोजन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इसके वर्तमान और भविष्य के परिचालन को ध्यान में रखते हुए बैंक के पास पर्याप्त रूप से पूंजी है और तरलता है एवं कार्यनिष्पादन और सतत जारी रहने की धारणाओं पर बैंक के भविष्य में कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा.

Outbreak of COVID–19 Pandemic has impacted credit and recovery segments of banking business. Though there has been an impact on recovery, loan default risk has been largely minimized on account of grant of moratorium, one-time restructuring of loans and other measures to reduce the interest burden by Reserve Bank of India (RBI).

With the gradual withdrawal of lockdown and partial resumption of economic activities the Bank has resumed full fledged operations through all its branches and alternate digital channels.

However, the situation continues to be uncertain the Bank expects that with the measures being taken by Government of India and State Governments, normalcy is expected to be restored by 3rd and 4th quarter of the current financial year. Nevertheless, the management believes that no adjustments are required in the financial results as the Bank is adequately capitalized and has sufficient liquidity to take care of its present and future operations and there would not be any significant impact on Bank's performance in future and going concern assumptions.

20. इंडियन बैंक एसोसिएशन और वर्कर्स यूनियंस एंड ऑफिसर्स एसोसिएशन के बीच 22 जुलाई, 2020 को निष्पादित किए गए एमओयू के उद्देश्य से वेतन संशोधन के संबंध में (1 नवंबर, 2017 से प्रभावी होने के कारण) बैंक ने तिमाही हेतु ₹ 645 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है. तदनुसार, 30 जून, 2020 तक वेतन बक़ाया की दिशा में कुल प्रावधान ₹ 2036.89 करोड़ का है.

    Pursuant to the MOU executed between Indian Bank's Association and Workmen Unions & Officer's Association on 22nd July, 2020 with respect to wage revision (due with effect from 1st November, 2017) the Bank has made an additional provision of ₹ 645.00 Crore for the quarter. Accordingly, the total provision towards the wage arrear as on 30th June, 2020 stands at ₹ 2036.89 Crore.

21. आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर, बैंक ने मौजूदा कर व्यवस्था जारी रखने का निर्णय लिया है. इसके अलावा, बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए ''आय पर कर हेतु लेखांकन'' के अनुसार लेखांकन मानक – 22 के अनुसार समय के अंतर पर तिमाही के दौरान ₹ 145.58 करोड़ के शुद्ध आस्थगित कर आस्तियों को उलट दिया है.

    The Bank, based on internal evaluation, has decided to continue with the existing tax regime. Further, the Bank has reversed net Deferred Tax Assets of ₹145.58 Crore during the quarter on timing differences in accordance with Accounting Standard - 22 on "Accounting for Taxes on Income" issued by the Institute of chartered Accountants of India and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

22. 30 जून, 2020 के अनुसार बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात 79.87% है (30 जून, 2019 को 65.88%)

    Provision coverage ratio of the Bank as at 30th June, 2020 is 79.87% (as at 30th June 2019; 65.88%).

23. 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए निवेशकों की शिकायतों की स्थिति :

    Position of investor complaints for the quarter ended 30th June, 2020:

क्रम सं. / SN		राशि / Amount
i	1 अप्रैल, 2020 को लंबित/ Pending as on 01st April, 2020	0
ii	तिमाही के दौरान प्राप्त / Received during the quarter	0
iii	तिमाही के दौरान सुलझायी गई / Resolved during the quarter	0
iv	30 जून, 2020 को लंबित / Pending as on 30th June, 2020	0

24. पूर्व अवधि के आंकड़ों को यथा आवश्यक पुनः व्यवस्थित/पुनः वर्गीकृत/पुनः समूहीकृत किया गया है.

    Figures of previous period have been rearranged/reclassified/regrouped wherever necessary.

(मानस रंजन बिस्वाल)
कार्यपालक निदेशक
(Manas Ranjan Biswal)
Executive Director

(बिरुपाक्ष मिश्रा)
कार्यपालक निदेशक
(Birupaksha Mishra)
Executive Director

(दिनेश कुमार गर्ग)
कार्यपालक निदेशक
(Dinesh Kumar Garg)
Executive Director

(गोपाल सिंह गुसाई)
कार्यपालक निदेशक
(Gopal Singh Gusain)
Executive Director

(राजकिरण रै जी.)
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
(Rajkiran Rai G.)
Managing Director & CEO

स्थान: मुंबई / Place : Mumbai
दिनांक : 21 अगस्त, 2020 / Date : 21st August, 2020